नेहा के मचलते मम्मे- ऑडियो सेक्स स्टोरी

“हरामजादे मेरे मम्मे देख के 'नेहा आ गई.. नेहा आ गई..' चिल्लाते हैं. पर उनकी भी क्या गलती.. ये कमीने हैं ही इतने बड़े.. कोई भी ड्रेस पहनो उछल के बाहर झाँकने को हमेशा तैयार ! ...”

Story By: guruji (guruji)
Posted: Wednesday, April 12th, 2017
Categories: जवान लड़की
Online version: नेहा के मचलते मम्मे- ऑडियो सेक्स स्टोरी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

नेहा के मचलते मम्मे- ऑडियो सेक्स स्टोरी

अपने बड़े बड़े मम्मों की यह ऑडियो सेक्स स्टोरी antarvasnamp3 आपको Delhi Sex Chat की एक लड़की नेहा आपको सुना रही है, आप भी जब चाहें नेहा से सेक्स चैट, फ़ोन सेक्स कर सकते हैं। नेहा के साथ आप यहाँ क्लिक करके फ़ोन सेक्स कर सकते हैं।

मेरे मम्मे हाय राम… मैं तो इन से परेशान हो गई…
आते जाते सबकी नजर इनपे…

आजकल तो यहाँ तक हो गया कि ये कुत्ते हराम जादे मेरे मम्मे देख के ‘नेहा आ गई… नेहा आ गई…’ चिल्लाते हैं… पर क्या कहें उनको… उनकी भी क्या गलती… ये कमीने हैं ही इतने बड़े.. कोई भी ड्रेस पहनो उछल उछल के उसमें से बाहर झाँकने को हमेशा तैयार !

नौवीं क्लास में थी कि स्पोर्ट्स छुट गए ! खेलती भी कैसे… अपने मम्मों को संभालती या शटल को ?
पी टी टीचर का तो हमेशा टनाटन रहता था… जब शटल गिरता तो सब के सब आँखें फाड़ फाड़ के मेरा उसे झुक के उठाने का इंतजार करते !

कम रांड तो मैं भी नहीं थी, ऊपर के दो बटन तो हमेशा खुले रखती थी.. मन में सोचती कि खड़ा होने दो सालों का… मजा आएगा उनकी टाइट पैंट देख के…

34 डी के हैं… गोल मटोल ऐसे कि संतरे जैसे ! जब चाहे कोई इनका जूस निकाल ले ! और इनके ऊपर ये दो बटन… टाइट कपड़ों में बेशर्मी का नाच नचा दें !

मेरी लाइफ में इतने इन्सिडेंट नहीं होंगे जितने इनके किस्से हैं.

एक बार तो साले ऑटो वाले ने मरोड़ ही दिया इनको.. बारिश का मौसम था और मुझे जाना पड़ा बाजार… तो सोचा जल्दी जल्दी शॉपिंग करके ऑटो पकड़ लूँ… लेकिन इतनी भीड़ कि जो भी ऑटो आती, पहले से भरी रहती !

फिर एक ऑटो रुका पर उसकी छत फटी थी… मैं भीग तो गई ही थी तो सोचा कि इसी में निकल लूँ !

पर वहां से निकलते ही इतनी जोर की बारिश हुई कि मैं पूरी भीग गई… मेरी टीशर्ट मेरे बदन से ऐसे चिपक गई की मम्मे दिखें लगे… और मेरे निप्पल पूरे टाईट !

और साले ऑटो वाले ने अपना मिरर एडजस्ट करा और नजर मेरे बूब्ज पे जमा के लगा घूरने… मुझे ओड लगा तो मैंने अपने हाथ फोल्ड कर लिए अपनी छाती पे.. पर उसकी नजर नहीं हटी मेरे उभारों से… ऊपर से कुत्ता बोला- मैडम आराम से बैठिए !

मुझे भी पता था की साला अपनी नजरों से मेरे मम्मों को छोड़ रहा है…
मस्ती तो मुझे भी आ रही थी… मैंने भी अपने दोनों हाथ अपनी चुची से हटा दिए !
फिर तो भेनचोद ने हद ही कर दी..

आगे की कहानी सुनने के लिए नीचे नारंगी Orange बटन ☒ पर क्लिक करें !
अगर आप मोबाइल पर हैं तो ☒ Listen in browser पर क्लिक करें !

Other stories you may be interested in

जवानी की शुरुआत में स्कूलगर्ल की अन्तर्वासना-2

आरुषि और आकाश की चुदाई का किस्सा पूरी क्लास में फैल गया था। एक दिन रात को मुझे सचिन का फोन आया और उसने छूटते ही कहा- सुहानी, तू बुरा क्यूँ मान रही है ? वो ऐसे ही कह रहा था […]
Full Story >>>

मसाज ब्वॉय बना तो चूत भी मिली

दोस्तो, कैसे हो आप सब ? मेरा नाम अमन है और मैं 24 साल का हूँ। मैं उत्तराखंड के एक छोटे से शहर का रहने वाला हूँ। दिखने में ठीक ही हूँ. मगर शरीर से थोड़ा सा मोटा हूँ। अन्तर्वासना पर […]
Full Story >>>

जवानी की शुरुआत में स्कूलगर्ल की अन्तर्वासना-1

नमस्कार मेरे प्यारे दोस्तो और पाठको, कैसे है आप सब ? उम्मीद करती हूँ कि सब मजे में होंगे, ऐसे ही खुश रहिए और मजे करते रहिए ! मैं सुहानी चौधरी आप सबका अपनी अगली कहानी में स्वागत करती हूँ। आप सबसे […]
Full Story >>>

चचेरे भाई के साथ सेक्स

दोस्तो, मेरा नाम नेहा है और मैं एक बड़े शहर की रहने वाली मस्त और सेक्सी लड़की हूं. मेरा परिवार काफी बड़ा है और सबके लिए अलग अलग कमरे बनाये गये हैं. मेरे घर में किसी चीज की कोई कमी […]
Full Story >>>

क्रॉस ड्रेसर की सुहागरात की गे स्टोरी- 2

मेरी गे सेक्स स्टोरी के पहले भाग क्रॉस ड्रेसर की सुहागरात की गे स्टोरी-1 में आपने पढ़ा कि मुझे लड़की के कपड़े पहनने और लड़की की रहना अच्छा लगने लगा था. अब आगे : मैं अब असली लंड की तलाश करने […]
Full Story >>>